

## लोहरदगा में दखिे दो दुर्लभ प्रवासी पक्षी

### चर्चा में क्यों?

6 फरवरी, 2023 को मीडिया सूत्रों से मली जानकारी के अनुसार झारखंड के लोहरदगा में 149 वर्ष बाद कछमाछी स्थति नंदी धाम में फरि दो दुर्लभ प्रवासी पक्षी 'लेस्सर एडजुटेड स्टॉर्क' हनिदी नाम 'गरुड़' और स्थानीय नाम 'गांडागंदुर' नजर आये हैं।

### प्रमुख बदि

- उल्लेखनीय है कि इससे पहले लोहरदगा में वर्ष 1874 में एक गरुड़ दखिा था। हालाँकि, झारखंड में इससे पहले वर्ष 2011 में साहबिगंज की उधवा लेक बरड सेंचुरी में चार की संख्या में ये लुप्तप्राय पक्षी नजर आए थे। वहीं 2012 में सरायकेला-खरसावां के रंगामाटी में एक गरुड़ नजर आया था।
- झारखंड प्रवासी पक्षियों की पसंदीदा जगह है। यही कारण है कि नवंबर से ही विभिन्न जिलों के जलाशय, पोखर और नदी के आसपास के दलदली इलाकों में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षियों के झुंड नजर आने लगते हैं।
- वाइल्ड लाइफ बायोलॉजिस्ट संजय खाखा ने बताया कि 5 फरवरी, 2023 को बरड वाचगि के दौरान उन्हें ये पक्षी नंदी धाम स्थति दलदली इलाके के ऊंचे पेड़ों पर बैठे नजर आए।
- संजय खाखा ने बताया कि नजर आए गरुड़ पक्षी वयस्क है। इनकी लंबाई करीब 55 इंच है। आमतौर पर यह पक्षी ऊंचे पेड़ पर अपना नविस ढूंढते हैं, ताकि आम लोगों की नजर से दूर रहें।
- इन गरुड़ में नर और मादा को फरक करना मुश्कलि है। दोनों का रंग सामान्यतः समान होता है। जबकि नर का शरीर मादा से भारी आँका गया है। मादा की लंबाई 45 से 50 इंच तक आँकी गई है।
- वयस्क गरुड़ का चेहरा लाल, सरि का रंग भूरा और सफेद, पतली गर्दन का रंग पीला, पंख का रंग गूरे (सलैटी रंग) और शरीर का रंग सफेद होता है।
- गौरतलब है कि इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) स्टॉर्क यानी सारस प्रजाति के पक्षी लेस्सर एडजुटेड स्टॉर्क को 2020 में लुप्तप्राय पक्षी की श्रेणी में चहिनति कर चुकी है। तेजी से कम होती इन पक्षियों की संख्या को देखते हुए इन्हें वलुप्तप्राय यानी रेड लिस्ट कैटेगरी में शामिल कया गया है।